

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

ગુજરાત સંગ્રહાલય (સુરત આવૃત્તિ) 3

01:45 | 9/9/2020

ગુજરાતમિત્ર

મંગળવાર, તા. ૧૬ જૂન, ૨૦૧૫

લુહાર સમાજના આધેડના અંગદાનથી
પાંચને મળ્યું નવું જીવન, નવી રોશની

(प्रतिनिधि द्वारा) सुनूर, सोमवार
उद्यापाम उद्यापामाम् एक
काशानामाम पतना क्षीरेण कठाना रोये
पट्टालंबाम अष्टिनं भ्रंतं श्वरं कृपा

देखेवरेत्तेश्वापातेवंगेआपार्टमेंटमां रहेता
टिप्पिपामाई देतिवाल कारेवाचा
(६.७.४७) ने संतामाम पृथु वृक्षाम
(६.७.१) था हाम अने पुत्रा शारदावानी



મુખ જુનાગઢના ગઢણા વતની ટિલીપ કારેલીયાને
બ્રહ્મનડક જાહેર કરાયા બાદ પાંચ અંગોનું દાન કરાયું



દિવ્ય લાંબડા

સુરત, મંગળવાર, 16 જૂન, 2015 7

YEL BII S CIEL BIE

લણક સમાજના 47 પણીય દિલ્લીએ કારેલિયા કેબિનેટનું કાયાગીવી કરતા 20 દિન રિપોર્ટ નીચે માર્ગદાર કરી.

બેઈનડેડના અંગાદાનથી 5 દર્દીને મહિયું નવજીવન

हेत्य रिपो

સચિવને રહેતો લુકાર સમજાળા એક યુવક આકિસ્પેક્ટ રીતે પટકાયા ભાઈ મધ્યાના બગ્ગે જંગિયા રીજા થયા સિવિલમાં દાખલ કરાયા હતા. જોકિ, તબીઓએ તમને બ્રિફિંગ કરે અને કરતાં નાના પરિવર્જનોએ નોનેટ લાઇફ સંસ્થાના સાથી ગોળી તમના મંગોણું દાન કરવાની નિષ્પાય લીધી હતી. આ યુવકાં અગ્રણી શરેના એક યુવક સહિત પાય ડાખલાને નવજીવન મળ્યું હતું. સચિવ દેખે સ્ટેનાનાંની સામે

दिलीप रत्नलाल कारेलिया (47)
 कैंपिकेशनो व्यवसाय करता हुआ
 11 जून तेजो उमा-उद्योगनगर
 25 पर एक कारभानामाला
 किटिंगन क्रम बनाये वापते तेमन
 पग स्थाप वर्धि जाता 20 कूट ऊरेख
 पटधारा हुआ। इस दृष्टिनाम
 तेमने माथामां गंभीर इला पहांच
 ही। तेमने भैमा छालतामा च
 विविह देसिपत्रमां खसेवा हुआ
 अपने वेलिकर ये एडवेन्चर लाइन
 लॉक्सिप्टर्स थे। योरांग सदासीहन
 सारावर चालती हुती। तोकरे सीट

સોલે હોવાનું નિરાન થયું હતું,
જેથી ન્યૂરોક્લિનિક્યુન ડૉ. અનિલદ
આપે સહિતના તાબીઓએ તપાસ
કરીને તમેને ક્રેટન ડે લાહેર કર્યા
હતું। દિલ્લીપમાઈ ક્રેટન ડે હોવાના
જ્ઞાન પ્રેરણ વાયરિક સંસ્કૃતાન
મુખ્ય ડૉ. નિવેશ વાલેવાળનાને
થતું ડૉ. સુધુય પરીચા સાથે
દિલ્લીપમાઈના પરિવર્તનનોને
અંગ્રેજાનું મહત્વ સમજાત્વાના
અંગ્રેજાના અંગેની સિક્સ્ટ્રીટી આપ્યી
હતી, જેથી અમદાવાદના ડિસ્ટ્રિક્ટનું

તेमनी ટૈમે સુરત આવાને બે
મી અને વિષવરનું દાન સ્વીકાર્ય
જ્યારે બે ચશુઓનું દાન અર્પણ
એલાખ ટ્રેની સ્ટીક્પો હતું.
માણેને બે કિડની પેકી
સુરતના તુધાર દે (28) અને
૧૦ નરમા જિલ્હાના માગરોળ
બે વેશાલી પટેલ (44)માં
વિષવર જ્ઞાનાણના કિશોરાભ્ય
લલચામ દધાણી (40)માં
પાણાનું પણ કરી દેવાયું હતું.
બે ચશુ, બે કિડની, લિંગર
પાય દફાનોને નવજીવન

ડોનેટ લાઇફ ક્રિકેટ નવીં
નપજુવન અપાવ્યું
દિલ્લી ગુજરાતમાં અલ્લાર
સુધીમાં લેંદનકે વ્યક્તિગ૊ના
પાવિશ્વરાણને સમાજના ડોનેટ
લાઇફ સંસ્કરાણો 119 ડિનોન
થિયુન્નો દાન મેળવ્યું
કૃત, એગોના આ દાન એકી
253 વ્યક્તિગ૊ને નપજુવન
અને નવીં રોજગારી અપાવામાં
સંકળાની માત્ર છે.

^{६६} जवाही में रक्तदागः छिमाग के मत्यबादु (ब्रैडगैड) किडनीदागः लिवरदागः ११

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

सामना
टाइकरण

मंगलवार, 16 जून 2015

अनुकरणीय

देहदान से पांच लोगों को मिला नया जीवन

- दिलीपभाई कारखाने में पतरा फिटिंग का काम करते वक्त 20 फीट की ऊंचाई से गिरे थे जिससे उन्हें सिर में आई थी गंभीर चोटें

संस्कृत

पांच दिन पहले उधना उद्योगनगर स्थित कारखाने में पतरे की फिटिंग करते बक्त नीचे गिरे फैक्रिकेशन के कारीगर की सिर में गंभीर चोट पहुँचने से ब्रेन डेंड होने पर उनके परिजनों देहदान करके पांच लोगों को नया जीवन दिया।

सचिन उमंग अपार्टमेंट निवासी लुहार समाज के दिलीपभाई रत्नलाल कारोलीया (उम्र 47) फैक्रिकेशन का काम करते थे। दिलीपभाई के परिवार में उनकी पत्नी दिव्या और 11 वर्ष का लड़का कृष्णा जो छठी कक्ष में जाता है तथा पांच वर्षीय बेटी शवानी कक्ष 1 में अध्ययन



करती है। दिलीपाई गत 11 जून को उधाना उद्योगनगर-रोड नंबर 14 पर स्थित पतरे के कारखाने में फिटिंग का काम कर रहे थे तभी अचानक उनका पैर रेलिप हो गया। वह और वह 20 पौट की चालीस हाथी जीवे गिरे रिसेप्शन उड़ाने सिर में गंभीर चोटें आने पर उन्हें स्पिनल अट्युपताल में भर्ती किया गया। जहाँ प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें मेटास्टेटिक एडवान्सेट अस्पताल में दाखिल किया गया। दिलीपाई के स्टीलेकेन करने के बाद उन्हें दिमाग में सजान होने

की बात सामने आई और शनिवार को चिकित्सकों ने दिलीपभाई को ब्रेन डैड घोषित किया। डॉ. सुचय परीख ने इस सदर्भ में डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडेलवाला को जानकारी दी और उनके साथी दिलीपभाई की पत्नी दिव्या, खाली राजेश वर्मा वजुबुली सहित परिवार के सभी सदस्यों को देहदान की जानकारी देते हुए उसके महत्व के बारे में समझाया जिससे दिलीपभाई के परिजनों से स्वीकृति मिलने पर दिलीपभाई के देह दान से पांच लोगों को नया जीवन मिला। जिसमें एक लोग अपनी रक्त दवे (उम्र 28) और दूसरी किंडनी मांगोलेट के विशाल पटेल (उम्र 44) को ट्रान्सप्लान्ट की गई, जबकि लीवर जुनागढ़ के किशोर ताहीराम दयानी (उम्र 40) में ट्रान्सप्लान्ट किया गया और दो चक्षु चक्षुवैकं को डोनेट किए गए। डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडेलवाला ने अब तक सूरत और दक्षिण गुजरात से ब्रेन डैड व्यक्तियों के परिजनों को समझाकर 119, किंडनी, 35 लीवर, 3 ऐक्सीआस और 96 चक्षुओं का दान पाकर 153 लोगों को नया जीवन और 11 नीरेंशनी दिलाने में सफलता पायी है।

ધરકાર

૧૬-૦૬-૨૦૧૫ મંગળવાર

સથીના સૌરાષ્ટ્રવાસી લુહાર સમાજના બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન

सरता, ता. १ प

અને ડૉ. સુચય પરીખે અમદાવાદની
(આઈકીઓરસી) ડૉ. પ્રાંજલ મોહિનો
સંપર્ક લેવા આવવા માટે જાગ્રત્ત.

सप्त लोग आयता करत ज़ाहिर
दृश्यमाने भेदवायामो आवीतो वे
किंडनी पैदी सुरतना तुषार-देव
(३.२.२) अब वेली किंडी-प्रेम
जिल्हान्ना मांगरेण गमना वैशाली
पटेव (३.४.४०) मां द्वासपलान्त
करवामां आवी छे. ज्यारे लीपर
ज्ञानगढा दिशेरवर्ष तालीकोइम
ज्यानी (३.४.४०) मां द्वासपलान्त
करवामां आव्यै छे.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમણ્યે
અત્યાર સુરી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના
પરિવારજનોના સાથે સમજાહૂ કેળવી નીલેશ
મંડિવાયાના અને હેઠેલ લાઇફ ડ્રાય ૧૧૮
કિગ્રા, તૃપ લીવર, ટુ પેરોયાસ અને
૧૮ ચ્યાલેજના ટાન મેળવીના ૨૫૮
વ્યક્તિઓના જાન જળન અને નવી
દેશની ભાષાવમાં મંજુલા મળી છે

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

राजस्थान पत्रिका

सूरत, मंगलवार, 16.06.2015

अंगदान से पांच को मिली नई जिंदगी

सूरत और नर्मदा के दो जनों में किडनी,
जूनागढ़ निवासी में लीवर का प्रत्यारोपण



सूरत @ पत्रिका

patrika.com/cit
उधना क्षेत्र में कारखाने के पतरे की फिटिंग करते हुए धायल एक व्यक्ति को ब्रेन डेंग घोषित किए जाने पर उसके परिजनों ने उसकी किडनी, लीवर और आँखों का दान कर पांच जनों को नया जीवन दिया है। सूरत और नर्मदा जिला निवासी दो जनों में किडनी तथा जूनागढ़ निवासी एक जने में लीवर का प्रत्यारोपण किया गया।

सचिन रेतवे स्टेशन के सामने उमंग अपार्टमेंट निवासी दिलीप रतोलाल कारोलिया फेब्रिकेशन का कार्य करता था। वह 11 जून को उधना उद्योगनार के एक कारखाने में पतरे की फिटिंग कर रहा था। ऐसे फिसलने से वह करीब बीस फीट की ऊंचाई से गिरकर धायल हो गया। उसे पहले न्यू चिकित्सा अस्पताल और बाद में मेडिस एडवेन्चर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन रिपोर्ट में पता चला कि उसके दिमाग में सूजन है। तेरह जून को न्यूरो फिलिपियन डॉ. अनंद आर्टे और न्यूरो सर्जन डॉ. किरीट शाह ने उसे ब्रेन डेंग घोषित कर दिया। इन्टर्नसिलिस्ट डॉ. सुचय पारीख ने डोनेट लाइफ के प्रमुख

नीलेश मांडलेवाला और डॉ. प्राजल मोदी से सम्पर्क कर उसके ब्रेन डेंग होने की जानकारी दी। मांडलेवाला ने दिलीप की पत्नी दिव्या, भाई राजेश, ससुर वजु इंद्र दावडा, साले राकेश से सम्पर्क किया और अंगठन के संबंध में जानकारी दी। सहमति बनने के बाद अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर (आईडीआईसी) के डॉ. प्राजल मोदी ने दो किडनी और लीवर का दान स्वीकार किया। दो आँखों का दान अपना चेरिटेबल ट्रस्ट ने स्वीकारा। एक किडनी सूरत निवासी तुशर दवे (28) और दूसरी नर्मदा जिले के मार्गोल गाम निवासी वैशाली पेटल (44) में प्रत्यारोपण की गई। लीवर का प्रत्यारोपण जूनागढ़ के किशोर ताहीलालम दयानी (40) में किया गया। दक्षिण गुजरात में अब तक 119 किडनी, 35 लीवर, 3 पेन्क्रियोज और 96 आँखों का दान लेकर 253 व्यक्तियों को नया जीवन दिया गया है।